# श्याम की किरपा | By Vikas Gupta

खाटूवाले श्याम की मुझपे किरपा है अपार
इसकी दया के कारण आज सुखी मेरा परिवार

हार गया था श्याम प्रभु तब जाके तेरा दरबार मिला
दया निधि दयावान दयालु तुझसा पालनहार मिला
अपने साये में रखा सदा तूने लखदातार
खाटूवाले श्याम की मुझपे किरपा है अपार

पतझड़ से जीवन में खिला दिए तूने रंग बिरंगे फूल
हर गलती को मॉक कर दिया समझ के मेरी पहली भूल
ना छोड़ना बीच भवर में थामे रहना मेरी पतवार
खाटूवाले श्याम की मुझपे किरपा है अपार

तेरे इस दरबार की शोभा सारे जग से न्यारी है
तेरा जैसा देव ना दूजा तू तो बड़ा दातारि है
रूबी रिधम से प्रेम बढ़ाया बाबा मुझपे तेरा उपकार
खाटूवाले श्याम की मुझपे किरपा है अपार

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a4%bf%e0%a4%b0%e0%a4%aa%e0%a4%be-by-vikas-gupta/